

खबर संक्षेप

बटरमारा पुल के पास दर्दनाक सड़क हादसे वारासिवनी। वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम पुनी से बटरमारा पुल के पास मोड़ पर रविवार 12 जुलाई की सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल 28 वर्षीय युवती की शनिवार की सुबह उपचार के दौरान नागपुर के एक अस्पताल में मौत हो गई। विदित हो कि मजदूरों से भरी एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई थी। इस दुर्घटना में वाहन में सवार सभी 20 मजदूर घायल हो गए थे, जिनमें से 4 महिलाओं की हालत बेहद गंभीर बताई गई थी। यह सभी महिलाएं खेत में धान का परहा लगाने के लिए ले जाई जा रही थीं। डोंगरमाली निवासी महेश लिल्हारे ने बताया कि इस दुर्घटना में ग्राम डोंगरमाली निवासी 28 वर्षीय युवती सविता पिता बैगा लाल लिल्हारे गंभीर रूप से घायल हो गई थी। जिसे बालाघाट के बाद गोंदिया और फिर नागपुर उपचार के लिए परिजनों ने ले गए थे। जहां डाक्टरों के अथक प्रयासों के बाद भी उसे बचाया नहीं जा सका और 25 जुलाई की सुबह उसकी मौत हो गई। जिसका अंतिम संस्कार ग्राम डोंगरमाली में सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में शोकाकुल माहौल में किया गया।

वन विभाग के दखल से रुका विकास का पहिया



बिछवा-हीरापुर-चांदाडोह सड़क आज भी बनी कच्ची

5.20 करोड़ की लागत धरी की धरी, कागजों में विकास, धरातल पर कीचड़

कंटगी। बारिश के मौसम की शुरूआत से ही विधानसभा क्षेत्र कंटगी के एक साथ तीन गांवों के ग्रामीणों का सपना फिर कीचड़ में फंस गया है। ग्राम बिछवा से हीरापुर होते हुए चांदाडोह तक बनने वाली 5.80 किलोमीटर लंबी सड़क को स्वीकृत हुए कई महीने बीत गए। क्षेत्रीय विधायक ने 18 अप्रैल 2026 को धूमधाम से भूमिपूजन भी कर दिया। ठेकेदार ने मशीनें उतारी, लेकिन जैसे ही काम शुरू हुआ, वन विभाग बीच में आकर खड़ा हो गया। नतीजा यह कि आज भी यह सड़क कच्ची है, और बरसात ने उसे दखल बना दिया है। 5 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत वाली यह सड़क कागजों पर तो विकास की जीवन्तरेखा बन चुकी है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यहां ऊंट के मुंह में जिरा वाली स्थिति है। एक तरफ सरकार सड़क से गांव, गांव से विकास के नारे लगा रही है, दूसरी तरफ विभागों की आपसी

स्वीचतान में आम-सादमी पिस रखा

और उसके लिए एन.ओ.सी. नहीं ली



है। बिछवा, हीरापुर और चांदाडोह कंटगी विधानसभा के तीन ऐसे गांव हैं जहां पक्की सड़क थी। बरसात में यहां आवागमन लगभग ठप हो जाता था। सालों की मांग के बाद शासन ने आखिरकार 5.20 करोड़ रुपये से इस मार्ग को पक्का करने की स्वीकृति दी। 18 अप्रैल 2026 को स्थानीय विधायक ने बड़े उत्साह के साथ भूमिपूजन किया। मंच से वादे हुए कि शीघ्र ही सड़क बनकर तैयार हो जाएगी। ग्रामीणों ने ढोल-गाड़ा से स्वागत किया। उन्हें लगा कि अब बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कत नहीं होगी, मरीजों को अस्पताल समय पर पहुंचाया जा सकेगा। लेकिन भूमिपूजन के बाद जैसे ही ठेकेदार ने भूमि समतल करने का काम शुरू किया, वन विभाग ने काम रुकवा दिया। कारण बताया गया कि सड़क का कुछ हिस्सा वन भूमि से होकर गुजरता है

गई है। ग्रामीणों का सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब सड़क का प्रस्ताव बना, जब बजट स्वीकृत हुआ, जब भूमिपूजन हुआ, तब वन विभाग कहां था? अब काम शुरू होने के बाद अड़ंगा डालना किस बात का इशारा है? यह सवाल बिछवा के जितेन्द्र पटेल पूछते हैं। उनका दर्द जाह्य है। वे बताते हैं, गांव में अगर किसी महिला को प्रसव पीड़ा हो जाए तो 108 एम्बुलेंस गांव तक नहीं आ पाती। मानसून शुरू होते ही इस कच्ची सड़क की असली हालत सामने आ गई है। बिछवा से हीरापुर के बीच लगभग 3 किलोमीटर का हिस्सा पूरी तरह दखल बन चुका है। जोगाटोला निवासी सुरेश सलामे अपनी पत्नी के साथ साइकिल से तिरोड़ी जा रहे थे। उन्होंने बताया, साइकिल होते हुए भी हम पैदल चल रहे हैं। कीचड़ इतनी है कि पहिया जाम हो जाता है।

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का जन सैलाब

सैकड़ों भक्तों ने रथ खींच कर पहुंचा मंदिर तक

हरिभूमि न्यूज़ उकवा / भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के दूसरे वर्ष में जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ किया गया 16 जुलाई को उकवा कैप जगन्नाथ मंदिर से अत्यंत उत्साह के साथ किया गया रथ यात्रा का शुभारंभ विधि विधान के साथ भगवान श्री जगन्नाथ भाई बलभद्र एवं माता सुभद्रा की प्रतिमाओं को लकड़ी से बने भव्य एवं सुसज्जित रथ पर ढोल नगाड़ों के साथ सार्वजनिक शीतला माता मंदिर परिसर गुदमा कैप लाकर परिसर में श्रद्धा पूर्वक विराजमान किया गया था जहां पर प्रतिदिन भगवान की पूजा आराधना कर श्रद्धालुओं द्वारा महाप्रसादी का वितरण किया जाता रहा है 24 जुलाई दिन शुक्रवार को भगवान श्री जगन्नाथ बलभद्र एवं माता सुभद्रा को शीतला माता मंदिर परिसर से



जगन्नाथ मंदिर उकवा कैप वापस लाने के लिए रथ पर विराजमान किया गया जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भव्य सुसज्जित रथ को खींचकर भगवान जगन्नाथ बलभद्र एवं माता सुभद्रा को नगर का भ्रमण करते हुए पारंपरिक वेशभूषा में भगवान श्री जगन्नाथ की जय करो जय घोष के साथ नाचती गाते हुए मंदिर की ओर प्रस्थान किया जहां जगह-जगह भक्तों को सामाजिक

संस्थाओं धार्मिक संस्थाओं जनप्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवकों के द्वारा पानी शरबत फल आदि का वितरण कर भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया। भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा में पुलिस बल का भरपूर योगदान रहा था। ना प्रभारी रूपझर पुलिस चौकी उकवा एवं उनकी पूरी टीम ने पूरे रास्ते को क्लियर कर कहीं भी विवाद या जाम जैसी स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी। भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का समापन जगन्नाथ मंदिर उकवा कैप में किया गया। भगवान श्री जगन्नाथ समिति ने रथ यात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सामाजिक संगठनों जनप्रतिनिधियों स्वयंसेवक को धार्मिक संगठन मीडिया पुलिस बल एवं श्रद्धालुओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट

ENGINEERING | PHARMACY | AGRICULTURE

ADMISSION OPEN 2026-27

POLYTECHNIC B.TECH | M.TECH

Part Time / Full Time

LAW • B.A. LL.B. • LL.B. • LL.M.

कैम्पस : वारासिवनी रोड, डोंगरिया, बालाघाट (म.प्र.) | 9174192111, 9174202111

• D. PHARMACY

• B. PHARMACY

• M. PHARMACY

• B.Sc. (Hons.) Ag.

• B.Tech (Agri) Engg.

• M.Sc. (Ag.)

ARM

SC/ST/OBC

